चढ़ा मेहँदी का रंग | By Satyajit Jain

चढ़ा मेहँदी का रंग रची है लाल सुरंग
दादी किसने ये हाथों में रचाई रे
तेरे भक्तों के मन भाई रे
ओ दादी तेरे भक्तों के मन भाई रे
तेरे भक्तों के मन भाई रे

सोनी सोनी मेहँदी लागे दुनिया से न्यारी
हाथों की हथेलियों में रची प्यारी प्यारी
ओ मैं टो वारी वारी जाऊं सारे जग को बताऊँ
मेहँदी हाथों की माँ शोभा बन आई रे
ओ दादी तेरे भक्तों के मन भाई रे
तेरे बहकतों के मन भाई रे

मेहँदी का तो बस दादी करके बहाना
हर्ष हमें तो तेरा है दर्शन पाना
आजा हुक्म सुना दे मेरा मान बढ़ा दे
तूने कितनो को ये आस पुराई रे
ओ दादी तेरे भक्तों के मन भाई रे
तेरे बहकतों के मन भाई रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%a2%e0%a4%bc%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b9%e0%a4%81%e0%a4%a6%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a4%82%e0%a4%97-by-satyajit-jain/